विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधन

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए भारत को एक टूरिस्ट हब के रूप में विकसित करने का जो संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय का विज़न है, उसके लिए आपको साधुवाद।

पिछले डेढ़ वर्षों से कोविड महामारी के कारण देशी और विदेशी पर्यटन पूर्ण रूप से प्रभावित हुए हैं जिसके कारण पर्यटन उद्योग को बड़ा नुक़सान हुआ है। इस स्थिति में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति, उनकी जीविका पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है।

परंतु अब हमारे देश में तथा विश्व के कई अन्य देशों में कोरोना महामारी का प्रकोप कम होने के कारण अब पर्यटकों के आने की पुनः शुरुआत हुई है।

अभी कुछ दिनों पहले मैं लद्दाख तथा जम्मू कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र की यात्रा पर गया था जहां मैंने देखा कि पर्यटक बड़ी संख्या में आए हुए थे। इसलिए पर्यटन सेक्टर के Revival के लिए हमें मजबूत संकल्प और स्पष्ट कार्य योजना के साथ आगे बढ़ना होगा।

जिस प्रकार हमने सामूहिक प्रयासों से कोरोना महामारी का मुकाबला किया, उसी सामूहिक संकल्प और प्रतिबद्धता से अब हमें अपनी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई पर ले जाना है।

भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है। हमारे देश की अनूठी तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं भौगोलिक विविधताएँ पूरे विश्व से पर्यटकों को आकर्षित करती है।

मैं स्वयं एक ऐसे प्रदेश से आता हूँ जो पूरे विश्व में Heritage Tourism के लिए जाना जाता है। राजस्थान में पूरे विश्व से पर्यटक वहाँ की समृद्ध और गौरवशाली विरासत, प्राचीन क़िले, हवेलियाँ, प्राकृतिक सुंदरता तथा वन्य जीवन देखने आते हैं।

पर्यटन अर्थव्यवस्था के लिए growth engine का काम करता है। विश्व में कई ऐसे देश हैं जिनकी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर ही आधारित है।

पर्यटन से परिवहन, IT क्षेत्र और होटल उद्योग तो सीधे तौर पर जुड़े हैं, पर व्यापक संदर्भ में यह विभिन्न प्रकार के कारोबार और रोजगार को भी बढ़ावा देता है।

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए पर्यटन के महत्व का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस सेक्टर से देश की कुल GDP का लगभग 5 प्रतिशत आता है और कुल रोजगार का लगभग 13 प्रतिशत पर्यटन क्षेत्र में है। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 9 करोड़ लोग पर्यटन से संबंधित रोजगार में हैं।

इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों के कारण विश्व पर्यटन इंडेक्स में भारत की स्थिति में सुधार आया है और हम पिछले 5 वर्षों में 65वें स्थान से ऊपर उठकर 34वें स्थान पर आ गए हैं। पर हमें अभी और ऊपर जाना है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पर्यटन सेक्टर की उन्नति पर तथा देश में नए पर्यटन क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

'स्वदेश दर्शन', 'प्रसाद', 'अतुल्य भारत अभियान' जैसी योजनाओं तथा 'भारत पर्व', 'पर्यटन पर्व' के आयोजन और वीज़ा प्रणाली को सुगम बनाने से देश में पर्यटन क्षेत्र को निश्चित रूप से बढ़ावा मिला है।

पर्यटन क्षेत्र में आगे विकास के लिए नए क्षेत्रों जैसे पर्यावरण, आध्यात्मिक, शिक्षा और मेडिकल टूरिज्म में अपार सम्भावनाएँ हैं। आज हमारे देश में सस्ती और उच्च गुणवत्ता के इलाज के लिए कई देशों से लोग आ रहे हैं। इसे और बढ़ाने की आवश्यकता है।

नयी शिक्षा नीति देश की शिक्षा व्यवस्था को विश्व स्तरीय बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रयास है। इसके क्रियान्वयन से भारत पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण education destination बनेगा। इस दिशा में भी हमें कार्य करना होगा।

हम वैश्विक स्तर पर भारत को Best Tourist Destination के रूप में develop करना चाहते हैं। पर्यटन के क्षेत्र को सुगम बनाने और पर्यटकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में हमें निरंतर काम करने की आवश्यकता है।

हमें सभी पर्यटन स्थलों को Tourist Friendly बनाने के अधिकतम प्रयास करने होंगे।

यदि हम पर्यटकों को सुविधा केंद्र, कुशल गाइड, बेहतर खान-पान, सेवा भाव एवं स्वच्छ आवास इत्यादि प्रदान कर सकें तो वे निश्चय रूप से बार-बार यहां आना चाहेंगे जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को और बल मिलेगा। इन सारी सुविधाओं का व्यापक प्रचार प्रसार होना चाहिए ताकि उन्हें इसकी जानकारी मिल पाए।

आज निधि 2.0 डेटाबेस रिलीज़ किया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह डेटाबेस इस सेक्टर में कार्य कर रहे व्यक्तियों के साथ साथ पर्यटकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

हमारे कई पर्यटक स्थल ऐसे हैं जिनके बारे में पर्यटकों को अधिक जानकारी नहीं होती है। ऐसे पर्यटक स्थलों को Tourism Map पर लाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

आने वाले समय में हमें ग्रामीण टूरिज्म बढ़ाने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में विशिष्ट कला, शिल्प, हस्तशिल्प इत्यादि कई प्रकार के उत्पाद हैं जिनको ग्रामीण टूरिज्म के माध्यम से वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि और सर्वांगीण विकास का नया युग आरंभ होगा।

साथियो, भारत इस वर्ष अपनी आजादी की 75वीं सालगिरह मना रहा है। मैं देशवासियों से अनुरोध करता हूं कि आजादी का अमृत महोत्सव को बड़े उत्साह के साथ मनाएं और भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों की यात्रा करें।

देश ने पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारी सरकार घरेलू और विदेशी निवेश, दोनों के लिए सक्षम वातावरण भी तैयार कर रही है।

हमें पर्यटन विकास के लाभों को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्यटन का विकास समावेशी हो।

आइए, आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सामूहिक संकल्प लें कि हम भारत को विश्व में पर्यटन की सबसे बड़ी शक्ति बनाने के लिए समर्पण और प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे।

मुझे पूरा विश्वास है कि हम सभी के सामूहिक संकल्प एवं प्रयासों से भारत विश्व में पर्यटन की एक महाशक्ति बनेगा। आप सभी को एक बार पुनः विश्व पर्यटन दिवस की शुभकामनाएं।

जय हिन्द।